

---

# Vairagya Panchakam

---

## वैराग्यपञ्चकम्

---

### Document Information



---

Text title : vairAgyapanchakam

File name : vairAgyapanchakam.itx

Category : panchaka, misc, sahitya, vedAnta-deshika, vedanta

Location : doc\_z\_misc\_general

Author : Vedanta Desikan

Transliterated by : T. R. Chari

Proofread by : Madhavi U mupadrasta at gmail.com

Latest update : November 17, 2012

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 4, 2022

*sanskritdocuments.org*

---



वैराग्यपञ्चकम्



क्षोणीकोणशतांशपालनकलदुर्वारगर्वानल-  
क्षुभ्यत्क्षुद्रनरेन्द्रचाटुरचनां धन्यां न मन्यामहे ।  
देवं सेवितुमेव निश्चिनुमहेयोऽसौ दयालुः पुरा  
दानामुष्टिमुचे कुचेलमुनये दत्ते स्म वित्तेशताम् ॥ १ ॥

शिलं किमनलं भवेदनलमौदरं बाधितुं  
पयः प्रसृतिपूरकं किमु न धारकं सारसम् ।  
अयत्नमलमल्पकं पथि पटच्चरं कच्चरं  
भजन्ति विबुधा मुधा ह्यहह कुक्षितः कुक्षितः ॥ २ ॥

ज्वलतु जलधि क्रोड क्रीडत्कृपीड भव प्रभा-  
प्रतिभट पटु ज्वाला मालाकुलो जठरानलः ।  
तृणमपि वयं सायं सम्फुल्ल मल्लि मतल्लिका  
परिमलमुचा वाचा याचामहे न महीश्वरान् ॥ ३ ॥

दुरीश्वरद्वारबहिर्वितर्दिका-  
दुरासिकायै रचितोऽयमञ्जलिः ।  
यदञ्जनाभं निरपायमन्ति मे  
धनञ्जयस्यन्दनभूषणं धनम् ॥ ४ ॥

शरीर पतनावधि प्रभुनिषेवणापादना-  
दविन्धनधनञ्जयप्रशमदं धनं दन्धनम् ।  
धनञ्जयविवर्धनं धनमुदूढगोवर्धनं  
सुसाधनमबाधनं सुमनसां समाराधनम् ॥ ५ ॥

(काचाय नीचं कमनीयवाचामोचाफलस्वादमुचा न याचे ।  
दयाकुचेले धनदत्कुचेले स्थितेऽकुचेले श्रितमाकिचेले ॥ )  
नास्ति पित्रार्जितं किञ्चिन्न मया किञ्चिदार्जितम् ।  
अस्ति मे हस्ति शैलाग्रे वस्तु पैतामहं धनम् ॥ ६ ॥


॥ इति वेदान्तदेशिकेन रचितं वैराग्यपञ्चकं सम्पूर्णम् ॥

The verse sequence may differ from print to print.


Encoded by T. R. Chari

Proofread by Madhavi U

---

——  
*Vairagya Panchakam*

pdf was typeset on June 4, 2022

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

